



दैनिक

समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश, दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, पंजाब बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड असम से प्रसारित

TITLE CODE : UPHIN49919

वर्ष: 1 अंक: 065 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) दिवार 18 दिसंबर 2022 <http://samajjagran.in> पेज: 12 मूल्य 05 रुपया

काकोरी के शहीदों की याद में जंगे आजादी की गथा, गोरखपुर में होगा देश का सबसे बड़ा ड्रोन शो



गोरखपुर, इतिहास के पन्नों पर स्वर्णांकितों में दर्ज काकोरी देन एकशन के बलिदानियों की याद में देश का सबसे बड़ा ड्रोन शो गोरखपुर में होने जा रहा है। 750 ड्रोन की रंग-बिरंगी आभा में जंगे आजादी की गथा जीवंत होगी। आजादी के अमृत वर्ष के कार्यक्रमों की कड़ी में यह आयोजन 19 दिसंबर की शाम पांच बजे रामगढ़ताल के सामने स्थित भवित्व विविधनाथ स्मृति पार्क में होगा। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ केंद्रीय संस्कृति एवं विदेश राज्यमंत्री मीनाक्षी लोखी और प्रदेश सरकार के पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह भी मौजूद रहेंगे।

काकोरी देन एकशन के नायकों की याद में प्रदेश सरकार 15 से 19 दिसंबर तक काकोरी बलिदान दिवस समारोह मना रही है। 19 दिसंबर को ही अमर सेनानी पंडित राम प्रसाद बिस्मिल का बलिदान दिवस है। 1927 में इसी तिथि को उन्होंने गोरखपुर जेल में हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूमा था। 750 ड्रोन से होने वाले शो में उनकी शौर्य गथा स्मरित कर उन्हें अद्वाजिल दी जाएगी। ड्रोन शो में गुरु गोरक्षनाथ की तपोभूमि पर प्रथम स्वातंत्र्य समर 1857 से लेकर आजादी की तारीख 15 अगस्त 1947 तक के विभिन्न घटनाक्रमों तथा इसमें जुड़े क्रांतिकारीों का चित्रमय वर्णन किया जाएगा।

माय बर्थ माय अर्थ के तहत शुभम ने किया 15 पौधारोपण

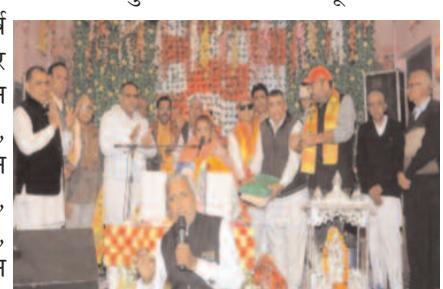
ई होम्स पनोरमा में खुशी का महाल, लोगों ने कहा आयुष्मान व यशस्वी भवःशुभम

पूर्णिया। पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिये पूर्णियां के हस्ती व रियल एस्टेट के क्षेत्र में विहार के टॉप पनोरमा गृह के एमडी सूजीव मिश्र के सुपुत्र चिरंजीवी शुभम का थार्डे धूम धाम से मनाया गया। हस्ती पैकों पर पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिये माय "बर्थ माय अर्थ" शेषन को ध्यान में रखा

शुभम ने अपने हाथों ई होम्स पनोरमा ग्राउंड में 15 पौधारोपण किया बाद में समारोह स्थल पर केक काटा बड़े उम्र के लोगों ने पनोरमा गृह के प्रबंध निदेशक बड़े भैया संजीव मिश्र जी के पुत्र हम सभों के लाडले शुभम को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए ईश्वर आपको स्वस्थ, प्रसन्न एवं सुदीर्घ जीवन प्रदान करें को कामना किया। शुभम कीमाता कवियत्री भैया व डैडी संजीव मिश्र जी ने कहा कि आज मेरी पुत्र शुभम का जन्मदिन है 15 साल पूर्व आज के ही दिन ईश्वर ने पिता बनने का सौभाग्य दिया था उन्होंने शुभम को आशीष देते हुए कहा कि तुम हमेशा खुश रहो, तुम्हारी कामनाएँ हमेशा पूर्ण हो आयुष्मान भवः।

दुर्गा मंदिर बरवाला में पांच दिवसीय संगीतमय आध्यात्मिक सत्संग का समापन गुरु जी तेज पला रूप तेज रंग वरगा पर झूम उठे श्रद्धालुण

हरियाणा/हिसार (राजेश सल्लूजा) : अखिल भारतीय सेवा संघ बरवाला और दुर्गा सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में दुर्गा मंदिर बरवाला में आयोजित पांच दिवसीय संगीतमय आध्यात्मिक सत्संग का समापन हुआ। इस पांच दिवसीय सत्संग में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विद्याकृत वेद नारांग, पूर्व चेयरमैन रणवीर सिंह धीरू, चेयरमैन रमेश बैटोरीवाला, वाइस चेयरमैन ताराचंद नलवाला, प्रधान मन्दन गिरधर, युवा प्रदेश अध्यक्ष मुनीष गोविल, पवन शर्मा व भाजपा नेता रणधीर पनिहार ने शिरकत की मंच संचालन पर्व पारंदेश प्रतिनिधि विकासी रहेजा ने किया। इस सत्संग में श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर संत शिरोमणि बाल योगिनी साधी करुणागिरी महाराज ने उपस्थित अद्वालुओं के समक्ष प्रवचन करते हुए कहा कि जिंदगी में कछ बनना होता है तो बाल्यकाल में ही उसका रंग ढंग अलग होता है सुलझा हुआ व्यक्ति ही बत देता है कि वो जीवन में आगे कछ बनेगो साधी करुणागिरी महाराज द्वारा गए गए भजन गुरु जी तो पल्ला रूप तेरा रंग वरगा पर उपस्थित अद्वालुणगा झूम उठे इन मुख्य अतिथियों ने साधी करुणा गिरी महाराज से आर्थीवाद ग्रहण किया और इन मुख्य अतिथियों को शाल ओहाकर समानित किया गया। इस दौरान भंडारा चालाया गया भंडारे में सैकड़ों अद्वालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर प्रधान विकासी रहेजा, पूर्व पार्षद कवियत्री रहेजा, आप्रकाश औप्रकाश रहेजा, औरी वादी, डॉक्टर सुंदर चालाया, औप्रकाश सेतिया, रामराम मनोहर लाल रहेजा, धर्मवीर बजाज, दीवान सरदाना, प्रेम प्रकाश, हरीस कथरूणगा, महेश, प्रधान गोविंद नारंग व सौरेश चुहा सेकड़ों की तादाद में अद्वालुणगा मौजूद रहे।



छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कार्यकाल के 4 साल परा होने पर ग्राम पंचायत टिकारी सेवा सहकारी समिति प्रांगण में गौरव दिवस मनाया गया....

समाज जागरण संवाददाता विकेट देशमुख मस्तुरी। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार के 4 साल का कार्यकाल पूरा होने पर ब्लॉक कार्यक्रम कमेटी मस्तुरी के तत्वावधान में ग्राम पंचायत टिकारी के सेवा सहकारी समिति के प्रांगण में क्षेत्रीय किसानों मजदूर भाईयों के समान करते हुए स्थानीय निवासियों को राज्य सरकार द्वारा विगत चार साल में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत हासिल की गई उपलब्धियों की जानकारी दिया गया।

इसी तरह मस्तुरी ब्लॉक में अनेक गांव पर गौरव दिवस मनाया गया।

कार्यक्रम का संचालन व आधारब्लॉक उपाध्यक्ष उदय धार्मिक वार्ड के सहायता वर्करों ने विविध विकास कार्यक्रमों में सहभाग लेकर भीड़ भाईयों को विविध विकास कार्यक्रम के उपलब्धियों को बताया।

इस गौरव दिवस मनाया गया।

लाखों की धान आग लगने से राख हो गई। शर्तकता ही आपका सुरक्षा है।

दैनिक समाज जागरण संवाददाता

फेहड़पुर विपुल गोस्वामी

फेहड़पुर थाना क्षेत्र के जामजोड़ी पंचायत के अंतर्गत पुराना जामजोड़ी में आग लगने से लाखों की धान राख में परिवर्तित हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि रात के 10:00 बजे किसी असामान्य तत्वों द्वारा दयामय दास के खलिलान में से हुए धान की पालाएं भी आग लगा देने से धान जलकर राख हो गया। ग्रामीण क्षेत्र में 10:00 बजे रात लोग गहरी नींद में सो जाते हैं, उसी समय ड्राइवर का पहुंचाने के क्रम में गोविंद चौकीदार को ग्रामीणों को सुनाना देकर सबको उठाया और बोला था कि आग लग गई है। अनानन्द-पालन में थाना को भी इसकी जानकारी दी गई थानाप्रभारी अलोक कुमार दलबल के साथ उपराना जामजोड़ी पहुंचकर खुद भी आग बुझाने के लिए लग गए। ग्रामीणों ने कहा कि ऐसा बड़ा बाबू



मिलना मुश्किल है दयामय दास ने बताया कि उक्त धान की खेती करने के लिए गोविंद हेम्मम चिनिश्वर से रेन तथा विनिश्वर हेम्मम को दिए

जलकर राख हो गई दयामय दास के एक पुत्र पुत्र वधु तथा दो नाती हैं। जीविका का मुख्य सासाधन धान ही था। वह भी राख हो गया उन्होंने वह भी बताया कि काल की खाना के लिए कुछ भी नहीं है। उन्होंने बताया कि जामजोड़ी पंचायत के मुख्या प्रमिला मुझे कहा कि व्यवस्था हम थे बताए चलें कि ग्रामीणों के अनुसार उक्त तीनों किसानों ने दयामय दास के खेत में खेती किया था। उक्त जीविका से उपराने धान को किसान तथा दयामय दास के बीच आधा-आधा बटवारा होना तथा था लेकिन धान छड़ाइ के पूर्व ही आग से राख हो गया। आग हो सका उपराने पहले धान

करेंगे साथ ही उसका द्वारा कुछ व्यवस्था किया जाएगा उसका भी वहल करेंगे प्लांस पर सुवल दास, सेतोप दास, श्यामल दास मनोप दास, परिमल दास आदि ने बताया कि अग्निशामक की व्यवस्था प्रवृत्ति स्तर में सूर्य की चाल धीमी हो जाती है। खरमास में जुध कार्य से बचना चाहिए। धार्मिक मान्यता है कि हिंदू धर्म में कोई भी शुभ कार्य शुभ मुहूर्त में ही किया जाता है।

बता होता है खरमास

जब सूर्य मूँह राशि में गोचर करता

है तब सूर्य देव धनु राशि में प्रवेश करते हैं। इसे अवस्था में खरमास लगता है। इसे मूलमास के भी नाम से जाना जाता है इस दौरान सेरे मांगलिक कार्य बंद रहते हैं इस वर्ष 16 दिसंबर से ही खरमास लग चुका है।

राशि में प्रवेश करेंगे तो खरमास का

प्रभाव स्तर सामाजिक होगा। सरे शुभ

कार्य नुनः प्रारंभ हो जाएंगे।

खरमास में क्या करें क्या नहीं

हिंदू धर्म के मान्यता के अनुसार

खरमास महीने को अशुभ माना जाता है। मान्यता है कि इस दौरान कोई भी

प्रश्न नहीं होता है। अतः इस महीने में

बड़े बुजु़गों की पूरी मान समाप्त करा-

ता सूर्य को सभी ग्रन्थों का राजा माना

जाता है और इसका प्रभाव जातकों

पर पड़ता है। इस दौरान जप तप

करने एवं भगवान हरि की कीर्तन

करने से तथा दान पूज्य करना

लाभदायक माना जाता है।

का कुआं भी युवाओं का आकर्षण का केंद्र बना रहा। साथ ही मेले में लगे

चार्ट, चाउमन, गुपचुप, छोले भट्ठरे की दुकानों में लगाए की लब्दी करने और देखने को मिले एवं सौंदर्य प्रसाद के दुकानों में महिलाओं को खरीदारी करते देखे थे। कुल मिलाकर कह सकते हैं कि सभी कोई आपने बच्चों एवं परिजनों के संग आकर मेले का भरपूर अनंद ले रहे थे! वही मेले से जाने के क्रम में लोग मालपुर की खरीदारी करना नहीं भूल रहे थे!

झारखंड/जमतार

नोएडा,(गौतमबुद्धनगर) रविवार 18 दिसम्बर 2022

खरमास में एक महीना नहीं होंगे मांगलिक कार्य, शादी विवाह मुंडन संस्कार रहेंगे बाधित

दैनिक समाज जागरण संघर्षर्थ

राजकमार भगत

पाकुड़ हिंदू मूर्खों के द्वारा दयामय दास के खेतों किसानों ने दयामय दास के खेत में खेती किया था। उक्त जीविका से उपराने धान को किसान तथा दयामय दास के बीच आधा-आधा बटवारा होना तथा था लेकिन धान छड़ाइ के पूर्व ही आग से राख हो गया। तभी आगिनशक काम आ सकते।

वे बताए चलें कि ग्रामीणों के अनुसार उक्त तीनों किसानों ने दयामय दास के खेत की खेती किया था। उक्त जीविका से उपराने धान को किसान तथा दयामय दास के बीच आधा-आधा बटवारा होना तथा था लेकिन धान छड़ाइ के पूर्व ही आग से राख हो गया। आगिनशक काम आ सकते।

वे बताए चलें कि ग्रामीणों के अनुसार उक्त तीनों किसानों ने दयामय दास के खेत की खेती किया था। उक्त जीविका से उपराने धान को किसान तथा दयामय दास के बीच आधा-आधा बटवारा होना तथा था लेकिन धान छड़ाइ के पूर्व ही आग से राख हो गया। आगिनशक काम आ सकते।

वे बताए चलें कि ग्रामीणों के अनुसार उक्त तीनों किसानों ने दयामय दास के खेत की खेती किया था। उक्त जीविका से उपराने धान को किसान तथा दयामय दास के बीच आधा-आधा बटवारा होना तथा था लेकिन धान छड़ाइ के पूर्व ही आग से राख हो गया। आगिनशक काम आ सकते।

वे बताए चलें कि ग्रामीणों के अनुसार उक्त तीनों किसानों ने दयामय दास के खेत की खेती किया था। उक्त जीविका से उपराने धान को किसान तथा दयामय दास के बीच आधा-आधा बटवारा होना तथा था लेकिन धान छड़ाइ के पूर्व ही आग से राख हो गया। आगिनशक काम आ सकते।

वे बताए चलें कि ग्रामीणों के अनुसार उक्त तीनों किसानों ने दयामय दास के खेत की खेती किया था। उक्त जीविका से उपराने धान को किसान तथा दयामय दास के बीच आधा-आधा बटवारा होना तथा था लेकिन धान छड़ाइ के पूर्व ही आग से राख हो गया। आगिनशक काम आ सकते।

वे बताए चलें कि ग्रामीणों के अनुसार उक्त तीनों किसानों ने दयामय दास के खेत की खेती किया था। उक्त जीविका से उपराने धान को किसान तथा दयामय दास के बीच आधा-आधा बटवारा होना तथा था लेकिन धान छड़ाइ के पूर्व ही आग से राख हो गया। आगिनशक काम आ सकते।

वे बताए चलें कि ग्रामीणों के अनुसार उक्त तीनों किसानों ने दयामय दास के खेत की खेती किया था। उक्त जीविका से उपराने धान को किसान तथा दयामय दास के बीच आधा-आधा बटवारा होना तथा था लेकिन धान छड़ाइ के पूर्व ही आग से राख हो गया। आगिनशक काम आ सकते।

वे बताए चलें कि ग्रामीणों के अनुसार उक्त तीनों किसानों ने दयामय दास के खेत की खेती किया था। उक्त जीविका से उपराने धान को किसान तथा दयामय दास के बीच आधा-आधा बटवारा होना तथा था लेकिन धान छड़ाइ के पूर्व ही आग से राख हो गया। आगिनशक काम आ सकते।

वे बताए चलें कि ग्रामीणों के अनुसार उक्त तीनों किसानों ने दयामय दास के खेत की खेती किया था। उक्त जीविका से उपराने धान को किसान तथा दयामय दास के बीच आधा-आधा बटवारा होना तथा था लेकिन धान छड़ाइ के पूर्व ही आग से राख हो गया। आगिनशक काम आ सकते।

वे बताए चलें कि ग्रामीणों के अनुसार उक्त तीनों किसानों ने दयामय दास के खेत की खेती किया था। उक्त जीविका से उपराने धान को किसान तथा दयामय दास के बीच आधा-आधा बटवारा होना तथा था लेकिन धान छड़ाइ के पूर्व ही आग से राख हो गया। आगिनशक काम आ सकते।

वे बताए चलें कि ग्रामीणों के अनुसार उक्त तीनों किसानों ने दयामय दास के खेत की खेती किया था। उक्त जीविका से उपराने धान को किसान तथा दयामय दास के बीच आधा-आधा बटवारा होना तथा था लेकिन धान छड़ाइ के पूर्व ही आग से राख हो गया। आगिनशक काम आ सकते।

वे बताए चलें कि ग्रामीणों के अनुसार उक्त तीनों किसानों ने दयामय दास के खेत की खेती किया था। उक्त जीविका से उपराने धान को किसान तथा दयामय दास के बीच आधा-आधा बटवारा होना तथा था लेकिन धान छड़ाइ के पूर्व ही आग से राख हो गया। आगिनशक काम आ सकते।

वे बताए चलें कि ग्रामीणों के अनुसार उक्त तीनों किसानों ने दयामय दास के खेत की खेती किया था। उक्त जीविका से उपराने धान को किसान तथा दयामय दास के बीच आधा-आधा बटवारा होना तथा था लेकिन धान छड़ाइ के पूर्व ही आग से राख हो गया। आगिनशक काम आ सकते।

वे बताए चलें कि ग्रामीणों के अनुसार उक्त तीनों किसानों ने दयामय दास के खेत की खेती किया था। उक्त जीविका से उपराने धान को किसान तथा दयामय दास के बीच आधा-आधा बटवारा होना तथा था लेकिन धान छड़ाइ के पूर्व ही आग से राख हो गया। आगिनशक क